

निद्रालुता वि. (तत्.) नींद में होने का भाव।

निद्रालुता रोग पुं. (तत्.) उष्ण कटिबंधीय (बहुत गर्म और आर्द्र) क्षेत्रों में 'त्से त्से' नामक मक्खी के काटने से होने वाला रोग जिसमें शरीर में अत्यधिक सुस्ती या अकर्मण्यता आ जाती है।

निद्राविज्ञान पुं. (तत्.) आयु, नींद और उससे संबंधित विभिन्न पक्षों का वैज्ञानिक अध्ययन का शास्त्र।
hiprology

निद्रित वि. (तत्.) सोया हुआ, सुप्त।

निद्वेष वि. (तत्.) द्वेष रहित, किसी की प्रगति से अप्रसन्न न होने वाला।

निधइक क्रि.वि. (देश.) 1. बिना हिचक के, बेखटक, निःशंक होकर 2. बेरोक, बिना रुके, बेरोक-टोक, बेधइक, निधरक, निर्भयतापूर्वक।

निधन पुं. (तत्.) 1. मरण, मृत्यु, देहावसान, देहांत 2. समाप्ति, अवसान वि. (तद्.) निर्धन, गरीब।

निधन सूचना स्त्री. (तत्.) पत्र. दैनिक समाचार पत्र अथवा आवधिकपत्रिका द्वारा या व्यक्तिगत रूप से किसी व्यक्ति के देहावसान का समाचार।

निधरक क्रि.वि. (देश.) दे. निधइक।

निधान पुं. (तत्.) 1. वह स्थान, पात्र, आश्रय, आकार, घर आगार या आधार जिसमें अथवा जिस पर कुछ रखा जाए या रखा हुआ हो, निहित हो 2. स्थापना, रखना स्थापित करने की या सुरक्षित रखने की क्रिया या भाव 3. कोष, खजाना, भंडार, निधि, संपत्ति।

निधानी स्त्री. (तत्.) पुस्त. लकड़ी, लोहे या अन्य किसी धातु आदि की, प्रायः बिना दरवाजे वाली, अलमारी जो पुस्तकें आदि रखने के काम आती हैं।

निधि स्त्री. (तत्.) 1. किसी विशेष उद्देश्य के लिए बनाई गई, उपलब्ध अथवा निर्धारित धन राशि fund, 2. कोष, खजाना, भंडार 3. निधान।

निधिक वि. (तत्.) समग्र रूप से निश्चित, निर्धारित या अनुमानित धन-राशि से संबद्ध।

निधिक ऋण पुं. (तत्.) प्रतिभूतियाँ या बंधपत्र जारी करके लिया गया ऋण जो भविष्य में किसी निर्धारित अवधि के बाद चुकाया जाना हो।

निधि निर्माण पुं. (तत्.) किसी संगठन के निमित्त या किसी विशिष्ट उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अपेक्षित धन-राशि जुटाने का कार्य।

निधि पति पुं. (तत्.) 1. वह व्यक्ति जिसकी देखरेख में कोई धन, राशि संपत्ति आदि हो, निधिपाल, निधिप, निधिनाथ 2. कुबेर (धन का स्वामी देवता)।

निधीयन पुं. (तत्.) निधि या अपेक्षित धनराशि की व्यवस्था।

निधीश पुं. (तत्.) कुबेर, निधीश्वर, निधि का ईश देवता।

निध्यात वि. (तत्.) सुविचारित, जिस पर पुनः पुनः अच्छी तरह मनन किया गया हो।

निध्यान पुं. (तत्.) 1. देखना, दर्शन 2. मन की आँख से देखना, मन ही मन में देखना।

निनाद पुं. (तत्.) 1. ध्वनि, आवाज, गुंजार, गुंजन, गूँज (स्त्रीलिंग) 2. गर्जन, जोर का शब्द, चिल्लाना पर्या. निनद।

निनादित वि. (तत्.) गूँजता हुआ, गुंजायमान, ध्वनि करता हुआ, ध्वन्य, निनदित, ध्वनित।

निनादी वि. (तत्.) जिससे जोर की ध्वनि, या गुंजार की ध्वनि आ रही हो, जो ऊँचे स्वर में आवाज कर रहा हो, या गरज रहा हो, चिल्ला रहा हो अथवा शोर कर रहा हो।

निनारा वि. (देश.) अपने वर्ग से अलग किया हुआ, निकाला हुआ 2. जो अलग, पृथक् या दूर हो 3. विलक्षण, चोखा, विशिष्ट, न्यारा, जुदा, भिन्न।

निनावँ वि. (तद्.) 1. बिना नाम वाला, नामरहित, अनाम 2. जिसके नाम को अशुभ या अमांगलिक मानने के कारण उच्चरित न किया जाए उदा. साँप को निनावँ मानकर कीड़ा कहना।

निनैतिकता स्त्री. (तत्.) सदाचारी निरपेक्षता, अनैतिकता, नीतिनियम विरोधिता।